

सुप्रसाद/सुप्रसादक पुं. (तत्.) 1. अति प्रसन्नता
2. शिव 3. विष्णु 4. कार्तिकेय का एक अनुचर।

सुप्रसिद्ध वि. (तत्.) अति प्रसिद्ध, खूब मशहूर।

सुप्रसु स्त्री. (तत्.) वह स्त्री जो सहज में अर्थात् बिना विशेष कष्ट के प्रसव करे।

सुप्रिय वि. (तत्.) 1. अति प्रिय, बहुत प्यार 2. बहुत पसंद।

सुप्रिया स्त्री. (तत्.) अति प्रिय स्त्री काव्य. एक सम-वृत्त वर्णिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में चार नगण और एक सगण रहता है, यह चौपाई का ही एक रूप है।

सुप्रीति स्त्री. (तत्.) 1. सच्चा प्रेम 2. सच्ची भक्ति।

सुप्रीम कोर्ट पुं. (अं.) सर्वोच्च न्यायालय, उच्चतम न्यायालय।

सुप्रेम पुं. (तत्.) 1. अच्छा प्रेम, सच्चा प्रेम 2. अनन्य प्रेम 3. सच्ची भक्ति।

सुफँसौरि स्त्री. (तद्.) 1. अच्छा फंदा 2. भारी बंधन।

सुफर/सुफरु वि. (तद्.) सुफल।

सुफरा पुं. (देश.) चौकी या मेज पर बिछाने का कपड़ा।

सुफल वि. (तत्.) 1. सुंदर फल वाला 2. जिसका या जिसके फल अच्छे और सुंदर हो 3. कृतकार्य, सफल पुं. 1. वृक्ष का अच्छा और सुंदर फल 2. किसी काम या बात का अच्छा परिणाम या फल 3. अनार 4. बादाम 5. बेर 6. कैथ 7. मूंग 8. बिजौरा नींबू।

सुफलक पुं. (तत्.) अक्रूर के पिता का नाम।

सुफला वि. (तत्.) 1. यथेष्ट या सुंदर फल अथवा फलों से युक्त 2. तेज धारवाली (कटार, छुरी आदि) स्त्री. 1. इंद्रायण 2. कुम्हड़ा 3. केला 4. मुनक्का।

सुफल्ल वि. (तत्.) 1. सुंदर फूलों वाला 2. अच्छी तरह पुष्पित (वृक्ष आदि)।

सुफेद वि. (तद्.) सफेद।

सुफेन पुं. (तत्.) समुद्र-फेन।

सुफेर पुं. (तद्.) 1. शुभ या लाभदायक स्थिति या अवसर 2. अनुकूल समय 3. अच्छी दशा या अच्छे दिन।

सुबंत वि. (तत्.) (व्याकरण में शब्द) जो प्रथमा से सप्तमी तक की किसी विभक्ति से युक्त हो।

सुबंधु वि. (तत्.) जिसके अच्छे मित्र या बंधु हो।

सुबकना अ.क्रि. (अनु.) हिचकियाँ लेते हुए रोना 2. सिसकियाँ भरना।

सुबट्ट वि. (तत्.) उत्तम मार्गों से युक्त पुं. उत्तम मार्ग, सुंदर रास्ता।

सुबड़ा पुं. (देश.) ऐसी चाँदी जिसमें ताँबा या और कोई धातु मिली हुई हो।

सुबद्ध वि. (तत्.) अच्छी तरह बँधा हुआ, कसकर या दृढ़तापूर्वक बद्ध।

सुबनक पुं. (तद्.) 1. सुंदर वेशभूषा 2. शोभा, सौंदर्य 3. सुंदर छटा।

सुबनाऊ पुं. (तद्.) 1. उत्तम शृंगार, अच्छा बनाव-शृंगार 2. अच्छी सजावट, ठीक निर्माण।

सुबल वि. (तत्.) बली, शक्तिशाली पुं. 1. शिव, महादेव 2. वैनतेय का वंशज एक पक्षी 3. पुराणानुसार भौत्य मनु का एक पुत्र 4. घृतराष्ट्र के ससुर गंधार नरेश।

सुबस वि. (तद्.) 1. अच्छी तरह बसा हुआ 2. स्ववश, स्वतंत्र, स्वाधीन क्रि.वि. 1. स्वतंत्रतापूर्वक 2. अपनी इच्छा से, स्वेच्छा से।

सुबसन पुं. (तत्.) सुवसन, सुंदर वस्त्र।

सुबसि वि. (तत्.) सुवासित, सुगंधित।

सुबह स्त्री. (तत्.) 1. दिन के निकलने का समय, सवेरा 2. दोपहर से पहले का समय 3. जीवन का आरंभिक काल।

सुबह-दम अव्य. (अर.+फा.) बहुत सवेरे, तड़के।

सुबहान पुं. (अर.) ईश्वर को पवित्र भाव से स्मरण करना, सुभान के रूप में प्रचलित।